सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 84 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 29 अप्रैल, 2023

मूल्य ₹ 3/-

यदि आप एक कंपनी बनाने का प्रयास कर रहे हैं, तो ये एक केक बनाने की तरह है। आपको सभी सामग्री सही मात्र में डालनी होगी।

-इलोन मस्क

मौका देखते ही रोटी सेंकने लगती... 2 | बृजभूषण के दांव में फंसे पहलवानों... 3 | 15 साल के शासनकाल में रमन... 7

मुख्तार को दस साल की सजा

गाजीपुर के एमपी-एमएलए कोर्ट ने सुनाया फैसला

» अफजाल पर भी आरोप तय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गाजीपुर। बसपा सांसद अफजाल अंसारी और मुख्तार अंसारी पर गैंगस्टर मामले में कोर्ट का फैसला आ गया। मुख्तार अंसारी को दस साल की सजा व 5 लाख रुपये के जुर्माने की सुनाई गई है। गाजीपुर के एमपी-एमएलए कोर्ट ने यह फैसला दिया है। वहीं अफजाल का फैसला दो बजे के बाद सुनाया जाएगा।

शनिवार सुबह से ही गाजीपुर के एसपी कार्यालय के बाहर न्यायालय जाने वाले मार्ग को बैरिकेडिंग कर आवागमन रोक दिया गया था। पीएसी और पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई थी। वहीं, न्यायालय में फैसला आने को लेकर गाजीपुर सांसद अफजाल अंसारी सुबह 10.45 बजे कोर्ट में पहुंच गए थे। मुख्तार अंसारी बांदा जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े।

इस मामले में हुआ था मुकदमा

एमपी/एमएलए कोर्ट में चल रहे इस मामले में बीते 15 अप्रैल को फैसला आना था। न्यायाधीश के अवकाश में होने के चलते फैसला नहीं आ पाया था। ऐसे फैसले के लिए 29 अप्रैल को तारीख नियत की गई थी। वर्ष 2007 के इस मामले में बीते एक अप्रैल को बहस और सुनवाई पूरी कर ली गयी थी और 15 अप्रैल को फैसला होना था। अफजाल अंसारी, मुख्तार अंसारी के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत एमपी/एमएलए कोर्ट में चल रहे इस केस में बीजेपी विधायक कृष्णानंद राय हत्याकांड केस गैंग चार्ट में शामिल है। जबकि नन्दकिशोर रूंगटा के अपहरण और हत्या का केस भी गैंग चार्ट में शामिल है। 29 नवंबर 2005 को गाजीपुर के भांवरकोल थाना अंतर्गत सियाड़ी गांव में भाजपा विधायक कृष्णानंद राय सहित सात लोगों पर एके-47 जैसे अत्याधुनिक असलहों से लगभग 400 राउंड से ज्यादा फायरिंग कर उनकी हत्या कर दी गई थी। सातों लोगों का शव पोस्टमार्टम के लिए बीएचयू लाया जाने लगा तो भाजपा विधायक के समर्थक उग्र हो गए थे और जगह-जगह तोड़फोड़ व हिंसा की गई थी।

गैंगस्टर में इन मुकदमों को बनाया था आधार

पुलिस ने अफजाल अंसारी व मुख्तार अंसारी को गैंगस्टर में निरुद्ध करने में मुहम्मदाबाद से अफजाल को हराकर भाजपा से विधायक बने कृष्णानंद राय की हत्या और कोयला व्यवसायी रुंगटा कांड को आधार बनाया था। हालांकि दोनों मामले में अफजाल बरी हो चुके हैं। इसी को आधार बनाकर अफजाल ने गैंगस्टर के खिलाफ हाइकोर्ट गए थे। तर्क दिया था कि जब मेन केस में बड़ी हो गए तो इसको आधार बनाकर की गई गैंगस्टर की कार्रवाई निरस्त होनी चाहिए। हालांकि राहत नहीं मिली थी।

अफजाल गाजीपुर से हैं सांसद

गाजीपुर सांसद अफजाल अंसारी वैसे तो छात्र जीवन से ही राजनीति से जुड़े रहे,लेकिन उन्होंने सक्रिय राजनीति में भागीदारी वर्ष 1985 के विधान सभा चुनाव से की। पहली बार वह वर्ष 1985 में भाकपा के टिकट पर चुनाव लड़े और जीतकर विधायक बने। इसके बाद उनका जीत का सिलसिला 1989,91,93 व 96 तक चलता रहा। वर्ष 2002 के विधान सभा चुनाव में वह भाजपा के कृष्णानंद राय से चुनाव हार गये। वह वर्ष 1993,96 व 2002 का चुनाव सपा के टिकट पर लड़े। विधान सभा चुनाव हारने के बाद पार्टी ने उन्हे वर्ष 2004 में लोकसभा का टिकट दिया। इस चुनाव में वह भाजपा के मनोज सिन्हा को हराए। इस बीच 29 नवंबर 2005 को विधायक कृष्णानंद राय की हत्या के बाद जेल चले गए। जेल जाने के दौरान सपा से राजनीतिक मतभेद होने के बाद वह वर्ष 2009 का लोकसभा चुनाव गाजीपुर संसदीय सीट से बसपा के टिकट पर लड़े और चुनाव हार गये। इसके पश्चात उन्होंने अपना कौमी एकता दल बनाया। वर्ष 2014 में बलिया संसदीय सीट से चुनाव लड़े लेकिन कामयाबी नहीं मिली। इसके पश्चात वह 2019 में गाजीपुर संसदीय सीट से बहुजन समाज पार्टी के टिकट पर सप बसपा गठबंधन से चुनाव लड़े और तत्कालीन केंद्रीय रेल राज्यमंत्री मनोज सिन्हा को हराकर सांसद बने। फिलहाल वह गाजीपुर के सांसद है।

पहलवानों के समर्थन में आया देश

सियासत भी गरमाई, ममता, केजरीवाल व प्रियंका का समर्थन

» खिलाड़ियों का धरना सातवें दिन भी जारी

» कुश्ती संघ के अध्यक्ष ने कहा-कोर्ट पर भरोसा

» दिल्ली पुलिस ने दो प्राथमिकी दर्ज कीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पहलवानों का धरना सातवें दिन भी जारी रहा है। इन खिलाड़ियों को पूरे देश से समर्थन मिल रहा है। सुप्रीम कोर्ट के दखल के बाद कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। उधर रिपोर्ट दर्ज होने केबाद बृजभूषण ने कहा कि उन्हें कोर्ट पर पूरा भरोसा है जो भी फैसला होगा निष्पक्ष होगा। वहीं इस पर राजनीति भी शुरू हो गई है। जहां कई विधायक बृजभूषण के समर्थन में आ गए है वहीं उन लोगों ने इन सबके पीछे कांग्रेस की साजिश बताया है। पहलवानों से नेताओं का समर्थन भ खूब मिल रहा है।

जयंत चौधरी, आतिशी, दिपेंद्र हुड्डा, प्रियंका गांधी, अरविंद केजरीवाल के बाद ममता बनर्जी ने भी पहलवानों की आवाज में आवाज मिलाई है।

महिला पहलवानों द्वारा बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों के संबंध में दिल्ल्ली पुलिस ने शुक्रवार को दो प्राथमिकी दर्ज कीं।

मेरे खिलाफ साजिश : बृजभूषण

यूपी के गोंडा में बृजभूषण ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। कहा कि यह यह खिलाड़ियों का धरना नहीं षडयंत्रकारियों का धरना है। मैं पूरी तरह निर्दोष हूं। हरियाणा के 90 प्रतिशत खिलाड़ी मेरे साथ हैं। अपराधी बनकर इस्तीफा नहीं दूंगा। हर रोज नई डिमांड आ रही है। इस पूरे मामले में कांग्रेस का हाथ है। 12 साल से शिकायत क्यों नहीं की। अगर धरना दे रहे पहलवान इस्तीफे से मानेंगे, तो मैं दे दूंगा। अगर ये खिलाड़ी धरने से उठकर वापस घर जाएं, अपनी प्रैक्टिस करें तो मैं इस्तीफा भिजवा दूंगा। कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के प्रमुख ने अपना बचाव करते हुए कहा कि मैं निर्दोष हूं और सभी आरोपों का सामना करूंगा, इस मामले की जांच पूरी हो, मुझे सुप्रीम कोर्ट पर पूरा भरोसा है। धरने पर बैठे पहलवानों की मांगें लगातार बदल रही हैं। उन्होंने सबसे पहले मेरा इस्तीफा मांगा, जिस पर मैंने कहा कि इसका मतलब आरोपों को स्वीकार करना होगा। 4 महीने के लिए वे लोगों को मेरे खिलाफ भड़काते हैं और नए लोगों को मेरे खिलाफ खड़ा करते हैं, मैंने हमेशा सरकार का सम्मान किया है। बृजभूषण शरण सिंह ने साथ ही कहा कि वे कह रहे हैं कि मुझे जेल में होना चाहिए, मैं एक लोकसभा सांसद हूं,मेरा ओहदा विनेश फोगाट के कारण नहीं है, यह लोगों की वजह से है, जिन्होंने मुझे वोट देकर चुना ह, आखिरकार एक ही परिवार और एक अखाड़ा ही सिर्फ मेरा विरोध क्यों कर रहा है? मैं बहुत मेहनत कर रहा हूं, यह मेरे खिलाफ साजिश है। जंतर-मंतर पर पप्पू यादव और केजरीवाल जैसे नेता क्यों आ रहे हैं, प्रियंका गांधी को नहीं पता कि दीपेंद्र हुड्डा ने मेरे खिलाफ कैसे साजिश रची, पहले दिल्ली पुलिस की रिपोर्ट का इंतजार क्यों नहीं कर सके।

पूरे दमखम के साथ निकाय चुनाव लड़ेगी बसपा

महापौर की 15 सीटों पर उतारे प्रत्याशी

» नगर पंचायत व पालिका में क्षमता से कम उम्मीदवार मैदान में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायवती पूरे दमखम के साथ नगर निकाय चुनाव लड़ने जा रही हैं। पर ज्यादातर निकायों में पार्षद और सभासद की कई सीटों पर प्रत्याशी नहीं मिले हैं। हालांकि नगर निगमों में महापौर की सभी सीटों पर बसपा ने प्रत्याशी उतारे हैं, लेकिन कई नगर पालिका और नगर पंचायतें ऐसी हैं जहां अध्यक्ष पद पर भी प्रत्याशी नहीं उतारे हैं। ऐसे में इन सीटों पर बसपा चुनाव से पहले ही लड़ाई से बाहर हो गई है। बसपा ने इस बार सभी सीटों पर पूरे दम से चुनाव लड़ने का ऐलान किया था। महापौर की 15 सीटों पर प्रत्याशी भी उतारे,

लेकिन ज्यादातर नगर निकाय में पार्षद की सीटों पर पूरे प्रत्याशी नहीं दिए। लखनऊ के 110 में 27 वॉर्ड ऐसे हैं, जिनमें बसपा का कोई प्रत्याशी नहीं है। गोसाईंगंज और नगराम पंचायत में अध्यक्ष पद पर कोई प्रत्याशी नहीं दिया है। कानपुर के 110 में 37 वॉर्डों में कोई प्रत्याशी नहीं है। यहां एक नगर पंचायत में अध्यक्ष पद के दावेदार का पर्चा खारिज हुआ है। प्रयागराज के 100 में 41 वॉर्डों में बसपा का कोई प्रत्याशी नहीं है, जबकि दो नगर पंचायतों में अध्यक्ष पद की लड़ाई में बसपा नहीं है। फतेहपुर, कौशांबी, प्रतापगढ़ में भी नगर पंचायतों की दो-दो सीटों पर अध्यक्ष पद का कोई उम्मीदवार नहीं है।

शहरों से ज्यादा गांव पर दिया ध्यान

बसपा में सभी सीटों पर उम्मीदवार न दे पाने की कई वजहें हैं। बसपा गांवों में ज्यादा मजबूत पार्टी रही है। यही वजह है कि 2017 से पहले वह शहरों में चुनाव ही नहीं लड़ती थी। शहरों में ऐसे कई इलाके हैं, जहां बसपा के कोर वोटर नहीं है। ऐसे में जीतने की कम उम्मीद होने के कारण भी अच्छे प्रत्याशी नहीं आते। इस बार भी बसपा के टिकट की सबसे ज्यादा मांग हाल ही में गांवों से नगर निगम की सीमा में शामिल इलाकों में ज्यादा रही है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि 2017 से ही नगर निकाय चुनाव लड़ना शुरू किया है। ऐसे में पकड़ बनाने में भी वक्त लगेगा। विश्वनाथ पाल, प्रदेश अध्यक्ष, बसपा ने कहा कि कुछ सीटों पर बसपा के प्रत्याशी नहीं हैं। ऐसा सभी पार्टियों के साथ है। उन्होंने भी कई सीटों पर प्रत्याशी नहीं उतारे हैं। हमने लगभग सभी सीटों पर मजबूत प्रत्याशी देने की कोशिश की है।

राजस्थान को देश का नंबर वन राज्य बनाने का सपना : गहलोत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चूरू। चूरू जिले में पहुंचे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा, उन्होंने राजस्थान को साल 2030 तक सुशासन की दृष्टि से देश का नंबर वन राज्य बनाने का सपना देखा है। प्रदेशवासियों की दृढ़ इच्छा शक्ति और संकल्प से यह सपना पूरा हो सकता है। गहलोत उमड़े जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। सीएम गहलोत ने कहा, प्रदेश की जनता ने उन्हें सेवा का अवसर दिया तो उनका भी दायित्व है कि वे जनता की सेवा तन्मयता से करें।

इसलिए राजस्थान सरकार समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के कल्याण का लक्ष्य लेकर काम कर रही है। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, पानी, बिजली, सड़क, सुरक्षा और नहरी विकास के लिए सरकार की ओर से किए गए कार्यों पर चर्चा करते हुए कहा, प्रदेश की तरह ही तारानगर क्षेत्र में विकास के लिए भरपूर कार्य हुए हैं। गहलोत ने कहा कि उन्होंने कहा था कि आप मांगते-मांगते थक जाओगे, मैं देते हुए नहीं थकूंगा। मैंने अपने इस वादे को हमेशा पूरा करने का प्रयास किया है। आने वाले समय में जन कल्याण की योजनाओं को और मजबूत किया जाएगा।

मौका देखते ही रोटी सेंकने लगती है भाजपा : टीएस सिंहदेव

» कांग्रेसी सरकार वाले राज्यों में नक्सली हमला कर रहे : नरोत्तम मिश्रा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। छत्तीसगढ़ में हुए नक्सली हमले को लेकर गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा। नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि जहां कांग्रेस की सरकार है, वहीं, नक्सली हमला कर रहे हैं और जहां भाजपा की सरकार वहां नक्सली मारे जा रहे हैं। इस पर छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने पलटवार कर कहा कि ये लोग मौका देखते हैं और रोटी सेंकने लग जाते हैं।

गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि दो दिन तीन दिन पहले का मध्य प्रदेश है और कल का छत्तीसगढ़ है। दो सरकार हैं। एक मध्य प्रदेश की और एक छत्तीसगढ़ की। दो पार्टियां एक कांग्रेस और एक भाजपा है।

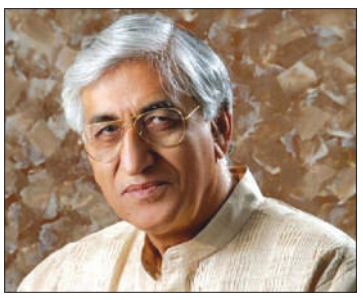

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस है, वहां नक्सली हमला कर रहे हैं। मध्य प्रदेश में भाजपा की सरकार है यहां पुलिस हमले में नक्सली मारे जा रहे हैं। मध्य प्रदेश में डेढ़ साल में आठ बड़े नक्सली ढेर हो गए है। इसलिए हॉक फोर्स को बधाई। मिश्रा ने कहा कि मध्य प्रदेश में शिवराज सरकार है। यहां पर कानून का राज है। कोई भी ऐसा व्यक्ति जो असंवैधानिक गतिविधि करता है, उसमें लिप्त रहता है। माफिया राज स्थापित करता है।

पूरा देश संविदा पर है, अब बचा ही क्या सिर्फ फौज रह गई है : आजम खान

» रामपुर में बीजेपी सरकार को घेरा-वोट डालें यह हमारा अधिकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रामपुर। काफी दिनों तक सार्वजनिक मंचों से दूर रहे सपा के वरिष्ठ नेता आजम खान ने यूपी नगर निकाय चुनाव प्रचार में जमकर भाजपा पर हमला बोला है। वरिष्ठ मुस्लिम नेता ने कहा कि मुझसे, मेरी बीवी, मेरी औलाद और चाहने वालों से क्या चाहते हो, कोई आए कनपटी पर गोली चलाकर चला जाए। बस इतना ही तो रह गया है।

बचा लो आज भी निजामे हिंद को, कानून को बचा लो... ये बातें आजम खान ने यूपी नगर निकाय चुनाव प्रचार के दौरान रामपुर में कही। आजम खान ने बीजेपी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि पूरा देश संविदा पर है। बचा ही क्या, सिर्फ फौज रह गई है, वह भी हुकूमत ए हिंद के पास है, वह रहनी चाहिए। वहीं, उन्होंने वोट डालने से रोके जाने पर बोलते हुए कहा कि जहां रोके वहीं बैठ जाओ आगे बढ़ो, वोट डालना हमारा हक है।

अतीक की ओर इशारा

आजम खान ने अतीक अहमद हत्याकांड की ओर इशारा करते हुए कहा कि क्या चाहते हो मुझसे, मेरी बीवी और मेरे बच्चों से? क्या चाहते हो कोई आए और कनपटी पर गोली चलाकर चला जाए। वोटिंग नहीं करने को लेकर आजम खान ने कहा की जहां रोके वहीं बैठ जाओ आगे बढ़ेंगे वापस नहीं जाएंगे, वोट डालेंगे। ये हमारा पैदाइशी हक है, जिसे हमसे दो बार छीना गया है, अगर तीसरी बार छीना गया तो जान लेना सांस लेने का हक भी बाकी नहीं रह पाएगा।

पटना पहुंचे लालू का जोरदार स्वागत

» कार्यकर्ताओं की आंख से छलके आंसू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दोनों बेटे तेजप्रताप और तेजस्वी भी रहे साथ

पटना। राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव पटना पहुंच चुके हैं। वह 9 माह बाद अपने घर लौटे हैं। पटना पहुंचते ही एयरपोर्ट पर उनका भव्य स्वागत किया गया। राजद के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनके समर्थन में जमकर नारे लगाए समर्थकों ने लालू प्रसाद की गाड़ी पर फूलों की बारिश भी की। इस दौरान एयरपोर्ट पर काफी भीड़ देखी गई। किडनी ट्रांसप्लांट के बाद डॉक्टरों ने लालू प्रसाद को काफी एहतियात बरतने को कहा है।

एयरपोर्ट से बाहर निकलते वक्त लालू प्रसाद व्हील चेयर पर बैठे दिखे। वह मास्क लगाए थे। उनके साथ उनके दोनों बेटे तेजप्रताप और तेजस्वी यादव भी मौजूद थे। एयरपोर्ट से निकलकर लालू प्रसाद सीधे राबड़ी देवी के आवास पर पहुंचे। आवास के बाहर भी राजद समर्थकों की काफी भीड़ देखी गई।

9 माह के बाद राजद सुप्रीमो को देखकर कई कार्यकर्ताओं के आंख से आंसू छलक गए। लालू प्रसाद ने हाथ हिलाकर उनका अभिनंदन किया। इधर, लालू के आगमन को देखते हुए राबड़ी आवास पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। साफ सफाई के भी बेहतरीन इंतजाम किए गए हैं। फिलहाल लालू परिवार में से किसी ने मीडिया से बातचीत नहीं की।

बिहार की खबरों से अपडेट रहते हैं राजद सुप्रीमो

लालू के आसपास रहने वाले बताते है कि बिहार की हर गतिविधि से राजद अध्यक्ष लगातार अपडेट रह रहे हैं। उन्हें मोतिहारी में जहरीली शराब से हुई मौतों की भी पूरी जानकारी है और प्रावधान बदल कर बाहुबली पूर्व सांसद आनंद मोहन की हुई रिहाई से जुड़ा हर अपडेट भी वह रख रहे हैं। पटना आने के बाद इन सभी मुद्दों पर अपनी बात रखने का प्रयास करेंगे, हालांकि बेटियों मीसा भारती और रोहिणी आचार्या ने उन्हें सामाजिक दूरी का पालन करने की ताकीद की है।

बृजभूषण के दांव में फंसे पहलवानों के पांव!

कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष के खिलाफ दूसरी बार धरने पर रेसलर

» यौन उत्पीड़न का लगा आरोप

» अध्यक्ष बृजभूषण सिंह पर एफआईआर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पहलवानों द्वारा छह दिन से किए जा रहे प्रदर्शन का मामला सुप्रीम कोर्ट में पहुंचने के बाद उम्मीद जगी अब इंसाफ होगा। सॉलिसिटर जनरल ने बताया कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष के खिलाफ दिल्ली पुलिस एफआईआर दर्ज करेगी। ज्ञात हो कि भारत के पदकधारी पहलवानों ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर यौन शोषण का आरोप लगया है। उनके खिलाफ वह जनवरी में भी प्रदर्शन कर चुके थे पर सरकार द्वारा कमेटी बनाने के आश्वासन के बाद पहलवान पीछे हट गए थे। परंतु चार महीने बाद भी जब कुश्ती संघ के अध्यक्ष पर कोई कार्रवाई नही हुई तो वे सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए और अंतत: अध्यक्ष के खिलाफ एफआईआर करने का फैसला आ गया है। हालांकि इसके बाद भी पहलवान पीछे नहीं हट रहे है। उन्होंने आरोप लगाया खेल मंत्री उनका फोन नही उठाते साथ ही खिलाडियों ने कहा कि जब उनकी मांगे पूरी नहीं होती तब तक धरना देते रहेंगे। उन्होंने कहा उन्हे सरकार की किसी एजेंसी पर विश्वास नही कि वह निष्पक्ष जांच करेगा।

भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ दिल्ली पुलिस एफआईआर दर्ज करेगी। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में भारत के सॉलिसिटर जनरल ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि बृजभूषण सिंह पर सेक्सुअल हैरासमेंट का केस दर्ज होगा। पिछली सुनवाई में उन्होंने कहा था कि मामले में प्रारंभिक जांच जरूरी है। अब प्रारंभिक जांच के बाद अब एफआईआर दर्ज होगी। सुनवाई के दौरान रेसलर्स के वकील कपिल सिब्बल ने पीड़िता महिलाओं की सेफ्टी का भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि आरोपी पर केस की लंबी फेहरिस्त है। विनेश फोगाट, बजरंग पुनिया और साक्षी मलिक जैसे पहलवान बृजभूषण सिंह के खिलाफ जंतर-मंतर पर 6 दिनों से प्रदर्शन पर बैठे हैं। रेसलर्स ने बृजभूषण शरण के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका भी दाखिल की है। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए दिल्ली पुलिस से मसले पर ताजा रुख के बारे में जानकारी मांगी थी। भारत सरकार के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि मामले में दिल्ली पुलिस बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली पुलिस के फैससे के मद्देनजर याचिका में कुछ नहीं बचा है। रेसलर्स की ओर से मामले में दलील दे रहे वकील कपिल सिब्बल ने कोर्ट के सामने कहा कि हम दो आधारों पर चिंतित हैं, जिसमें पहला नंबर सुरक्षा का है। उन्होंने सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न का केस दर्ज कराने वाली नाबालिग पीड़िता को सुरक्षा दिलाने की कोर्ट से अपील की। इस पर कोर्ट ने पुलिस को नाबालिग पीड़िता को सुरक्षा देने का निर्देश दिया। बता दें कि मामले की पिछली सुनवाई में सॉलिसिटर जनरल ने साफतौर पर कहा था कि अगर सुप्रीम कोर्ट का निर्देश होगा तो दिल्ली पुलिस को मामले में एफआईर दर्ज करने में कोई समस्या नहीं है।

फिर धरने पर बैठे खिलाड़ी

अब हरियाणा से आने वाले तमाम पहलवानों ने आरोप लगाया कि जांच सही तरीके से नहीं हुई। उन्होंने कहा कि बृजभूषण को उनके पद से हटाया जाना चाहिए। इसे लेकर वो फिर से जंतर-मंतर पहुंचे और धरना शुरू कर दिया। खिलाड़ियों ने आरोप लगाया कि जांच को लेकर जब मंत्रालय से जवाब मांगा तो उन्हें वक्त तक नहीं दिया गया. उन्होंने कहा कि बृजभूषण को बचाने की कोशिश की जा रही है. पहलवानों की मांग है कि आरोपी सांसद के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए. इस बार इन पहलवानों को गोल्ड मेडल जीतने वाले नीरज चोपड़ा और अभिनव बिंद्रा का भी समर्थन मिला है। इस पूरे मामले में दिल्ली पुलिस भी सवालों के घेरे में है। दिल्ली पुलिस को कई महिला पहलवानों की तरफ से बृजभूषण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत दी गई, लेकिन अब तक एफआईआर दर्ज नहीं हो पाइ। वहीं दिल्ली पुलिस का कहना है कि शिकायतों की जांच की जा रही है. हालांकि सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की सुनवाई होने जा रही है, जिसके बाद कोर्ट पुलिस को इसका आदेश दे सकता ह। अब तक की पूरी कहानी पढ़कर आप ये समझ चुके होंगे कि खिलाड़ियों की लाख कोशिशों के बावजूद बीजेपी सांसद बृजभूषण सिंह के खिलाफ अब तक कुछ भी नहीं हो पाया है. बीजेपी ने अब तक उन्हें न तो सस्पेंड किया है और न ही उन्हें रेसलिंग फेडरेशन के अध्यक्ष पद से हटाया गया है। इसके पीछे की वजह जानने के लिए बृजभूषण की राजनीतिक ताकत को जानना होगा.

बीजेपी के बड़े नेताओं का साथ

बृजभूषण सिंह की ताकत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जब दाऊद से लिंक के आरोपों के चलते वो जेल की सजा काट रहे थे, तब बीजेपी के दिग्गज नेता अटल बिहारी वाजपेयी ने उन्हें चिट्ठी लिखी थी. इस चिट्ठी में वाजपेयी ने उन्हें बहादुर बताया था. इससे बृजभूषण का कद बीजेपी में और ज्यादा बढ़ गया. बृजभूषण को दिवंगत विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष अशोक सिंघल का काफी करीबी माना जाता थ। इसके बाद एक किस्सा गोंडा का नाम बदले को लेकर भी चर्चित है, जब मायावती के खिलाफ इसे लेकर बृजभूषण ने आंदोलन छेड़ दिया. वाजपेयी से नजदीकी के चलते इस फैसले को रोक दिया गया, लेकिन संघ के बड़े नेताओं से अनबन के चलते बृजभूषण का टिकट कट गया. उनकी जगह जिस उम्मीदवार को टिकट दिया, उसकी वोटिंग वाले दिन ही एक्सीडेंट से मौत हो गई. जिसका आरोप बृजभूषण सिंह पर लगा. बाद में सीबीआई को जांच सौंपी गई। बाद में बृजभूषण की बीजेपी नेताओं से अनबन शुरू हुई और उन्होंने पार्टी छोड़ दी. साल 2009 में उन्होंने कैसरगंज सीट से सपा के टिकट पर चुनाव लड़ा और जीत दर्ज की. हालांकि 2014 में मोदी लहर के दौरान वो फिर से बीजेपी में चले गए और उसके बाद से ही लगातार सांसद हैं. उन्हें 2011 में कुश्ती महासंघ का अध्यक्ष बनाया गया था, जिसके बाद से वो इस पद पर बने हुए हैं. उन्हें 2019 में तीसरी बार इस पर पर बिठाया गया,। जिसके बाद उन पर अब कई तरह के गंभीर आरोप लगे हैं.

यौन शोषण का गंभीर आरोप

सबसे पहले खिलाडियों के धरना-प्रदर्शन की बात कर लेते हैं, करीब चार महीने पहले जनवरी में बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक, विनेश फोगाट जैसे तमाम बड़े पहलवानों ने रेसलिंग फेडरेशन के अध्यक्ष पर गंभीर आरोप लगाए, उन्होंने कहा कि बृजभूषण की तरफ से महिला खिलाड़ियों का यौन उत्पीड़न किया जाता है और वित्तीय गड़बड़ी के भी आरोप लगाए गए। करीब तीन दिन तक चले इस धरना-प्रदर्शन के बाद केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने खिलाड़ियों के साथ दो राउंड की बैठक की। कई घंटो तक चली बैठक के बाद पहलवानों के आरोपों की जांच के लिए कमेटी गठित करने का फैसला लिया गया और धरना खत्म हुआ ।

बाहूबलि हैं बृजभूषण सिंह

बृजभूषण सिंह की शुरुआती पढ़ाई उत्तर प्रदेश के गोंडा में हुई। बचपन से ही राजनीति उनके करीब रही, क्योंकि उनके परिवार से चंद्रभान शरण सिंह विधायक थे। बृजभूषण बड़े हुए तो उन्होंने कानून की पढ़ाई करने का फैसला किया। उन्होंने अवध यूनिवर्सिटी से एलएलबी की डिग्री ली। इस दौरान वो छात्र राजनीति से जुड़ गए और छात्रसंघ के अध्यक्ष भी चुने गए. इस दौरान उन पर कई आरोप भी लगे, जिनके चलते उनका नाम ऊपर आने लगा और वो राजनीति में सक्रि य हो गए। इसके बाद बृजभूषण सिंह की आरएसएस के बड़े नेताओं से करीबी बढ़ती गई। अयोध्या में बाबरी विध्वंस मामले में भी उनकी सक्रिय भूमिका थी। अपने कुछ इंटरव्यू में उन्होंने खुद इस बात का खुलासा किया. उन्होंने बताया कि उस रात वो वहीं मौजूद थे और कारसेवकों को उन्होंने मदद पहुंचाने का काम किया था।

कई गंभीर मामले दर्ज

अब आरोपों की बात आई है तो बृजभूषण शरण सिंह के आपराधिक इतिहास की भी बात कर लेते हैं. बृजभूषण के खिलाफ पिछले कुछ सालों में कई गंभीर मामले दर्ज हुए. उनके खिलाफ हत्या से लेकर अंडरवर्ल्ड लिंक, गुंडा एक्ट, गैंगस्टर एक्ट जैसी धाराओं में मामले दर्ज किए गए. इनमें से कुछ मामलों में उन्हें बरी कर दिया गया है. प्रदर्शन कर रहे पहलवानों ने भी उनके इस आपराधिक रिकॉर्ड का पोस्टर जारी किया है, जिसमें उनके खिलाफ 38 धाराओं में दर्ज मामलों का जिक्र किया गया है. बृजभूषण शरण सिंह ने अपनी छवि एक बाहुबली और दबंग नेता के तौर पर बनाई, जिसके चलते वो हर बार चर्चा में बने रहे. अपने विवादित बयानों के अलावा उन्होंने कैमरों के सामने मंच पर एक पहलवान को थप्पड़ जड़ दिया था, जिसका वीडियो खूब वायरल हुआ. इसके अलावा अब बीजेपी के दबंग नेता बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ कुश्ती के दिग्गज पहलवानों ने मोर्चा खोल दिया है. हालांकि पिछले चार महीने में लाख कोशिशों के बावजूद बृजभूषण शरण सिंह के रसूख पर कोई खास फर्क नहीं पड़ा. अब देखना होगा कि हत्या, अंडरवर्ल्ड के साथ संबंध जैसे बड़े मामलों से बच निकलने वाले बृजभूषण शरण सिंह को पहलवान धोबी पछाड़ दे पाएंगे या फिर नहीं.

शिक्षा और भू-माफिया होने के आरोप

बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ शिक्षा माफिया होने के आरोप भी लगते आए हैं. इसकी वजह है कि उनके करीब 50 से ज्यादा शैक्षणिक संस्थान चल रहे हैं. जो अयोध्या से लेकर श्रावस्ती तक फैले हुए हैं. उनके विरोधियों का कहना है कि इस बिजनेस में उनके कई रिश्तेदार भी शामिल हैं. इसके अलावा अपने स्कूलों और संस्थानों का जाल फैलाने के लिए उन पर भू- माफिया और जमीन कब्जाने के भी आरोप लगते आए हैं. बृजभूषण शरण सिंह के पास 10 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति है.

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

बुजुर्गों को सुप्रीम झटका नहीं मिली रियायत

जस्टिस एसके कौल और जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ एमके बालाकृष्णन द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में कोरोना के प्रसार को रोकने के लिए बंद की गई रियायतों की बहाली की मांग की गई थी। पीठ ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत एक याचिका में परमादेश रिट जारी करना इस अदालत के लिए उचित नहीं होगा।

रेलवे द्वारा बुजुर्गों को मिलने वाली सुविधा को जारी रखने को सुप्रीम कोर्ट में दी गई याचिका को शीर्ष अदलत ने खारिज कर दिया इस फैसले वरिष्ठ नागरिकों की उम्मीदों को झटका लगा। शीर्ष अदालत ने उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें रेलवे द्वारा कोविड महामारी से पहले वरिष्ठ नागरिकों को दी जाने वाली ट्रेन किराए में रियायत की बहाली की मांग की गई थी। अदालत का कहना है कि चूंकि यह शासकीय नीति का मामला है इसलिए अदालत के लिए सरकार को निर्देश जारी करना उचित नहीं होगा।

जस्टिस एसके कौल और अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ एमके बालाकृष्णन द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में कोरोना के प्रसार को रोकने के लिए बंद की गई रियायतों की बहाली की मांग की गई थी। पीठ ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत एक याचिका में परमादेश रिट जारी करना इस अदालत के लिए उचित नहीं होगा। सरकार को वरिष्ठ नागरिकों की जरूरतों और राजकोषीय नतीजों को ध्यान में रखते हुए इस मुद्दे पर फैसला करना है। इसलिए याचिका खारिज की जाती है। पीठ ने याचिकाकर्ता के तर्क को खारिज करते हुए कहा कि वरिष्ठ नागरिकों को रियायतें देना सरकार का दायित्व है। केंद्र ने 2020 में कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए लोगों की आवाजाही को कम करने के लिए वरिष्ठ नागरिकों को दी जाने वाली रियायतें बंद कर दी थीं। एक संसदीय स्थायी समिति ने हाल ही में महामारी की शुरुआत से पहले वरिष्ठ नागरिकों को दी गई रियायतों को फिर से शुरू करने की सिफारिश की थी। रेलवे कोरोना महामारी से पहले 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के पुरुषों को किराए में 40 प्रतिशत की छूट और 58 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को 50 प्रतिशत की छूट प्रदान करता था।

अदालत के फैसले का सम्मान करना सबकी जिम्मेदारी है। पर कभी-कभी आम लोगों से जुड़े मामले में ऐसे फैसलों से परे भी कुछ निर्णय लिए जा सकते हैं जो सामान्य मानव के हित में हैं। भारत में बहुत से बुजुर्गों का कमाई जरिया नहीं है वह अपने बच्चों पर आश्रित हैं। उन्हें अगर तीर्थाटन,यात्रा के लिए जाना होता है तो किराये में रियायत उनके लिए लाभकारी हो सकता है। अगर वे अपने बच्चों के साथ कही जाना चाहते हैं तो इस तरह के रियायत होने से उनके परिवार के लोग उनपर होने वाले खर्चे का कुछ हिस्सा वहन करने में परेशान नही होते क्योकि उन्हें पता होता है सरकार की ओर से उन्हे राहत मिल रही है। सरकार को अपने फैसलों को बदनले का विचार करना चाहिए ताकि बुर्जग प्रसन्न हो सके।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

दल बदल से रोचक हुआ कर्नाटक में सत्ता का संग्राम

रमेश सर्राफ धमोरा

कर्नाटक में आगामी दस मई को विधानसभा चुनाव के लिए वोट डाले जाएंगे। चुनाव में जीत हासिल करने के लिए सभी राजनीतिक दल अपनी तैयारियों में जुटे हुए हैं। अगले साल लोकसभा के चुनाव होने हैं। उससे पूर्व कर्नाटक विधानसभा के चुनाव परिणाम देश की राजनीति में महत्वपूर्ण पड़ाव साबित होगें। भाजपा ने सत्ता विरोधी माहौल को समाप्त करने के लिए 52 मौजूदा विधायकों के टिकट काटकर उनके स्थान पर नए चेहरों को मौका दिया है। भाजपा ने पार्टी के संस्थापकों में से एक रहे पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार व पूर्व उपमुख्यमंत्री रहे लक्ष्मण सावदी का भी टिकट काट दिया है।

भाजपा के बड़े नेता रहे के. अंगारा, आर शंकर और एमपी कुमार स्वामी ने भी टिकट नहीं मिलने पर इस्तीफा दे दिया है। जगदीश शेट्टार और लक्ष्मण सावदी ने भाजपा से टिकट नहीं मिलने पर कांग्रेस के निशान पर चुनाव मैदान में उतर गये हैं। जगदीश शेट्टार 6 बार विधायक, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष, मुख्यमंत्री सहित कई बार मंत्री, विधानसभा अध्यक्ष रह चुके हैं। इतने लंबे राजनीतिक जीवन में उन पर कभी किसी तरह के आरोप नहीं लगे हैं। इसलिए उनकी छवि साफ मानी जाती है। बीएस येदियुरप्पा के बाद वह लिंगायत समुदाय के दूसरे सबसे बड़े नेता माने जाते हैं। शेट्टार के भाजपा छोड़ कांग्रेस में शामिल होने से जहां भाजपा को नुकसान होना तय माना जा रहा है वही कांग्रेस को भी चुनाव में फायदा मिलेगा। इसीलिए कांग्रेस ने जगदीश शेट्टार व लक्ष्मण सावदी को टिकट देकर चुनाव मैदान में उतार दिया है। भाजपा के सबसे वरिष्ठ नेता बीएस येदियुरप्पा व ईश्वरप्पा के इस बार चुनावी मैदान में नहीं होने से पार्टी के पास बड़े चेहरे का भी अभाव है। कांग्रेस चाहती है कि किसी भी तरह से भाजपा को हरा कर प्रदेश में अपनी सरकार बनाई जाए ताकि पार्टी के गिरते जनाधार को रोका जा सके। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे कर्नाटक में कांग्रेस के बड़े नेता रहे हैं। उनकी सदा से ही मुख्यमंत्री बनने की चाहत रही है जो इस बार सरकार बनने पर पूरी हो सकती है। वैसे भी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद मल्लिकार्जुन खरगे के सामने अपने गृह प्रदेश में सरकार बनाना सबसे बड़ी चुनौती है। इसीलिए कांग्रेस पार्टी चुनाव जीतने के लिए सभी तरह के प्रयास कर रही है।

कर्नाटक में जनता दल सेक्युलर मैसूरू इलाके में अपना मजबूत जनाधार रखती है। प्रदेश की 100 सीटों

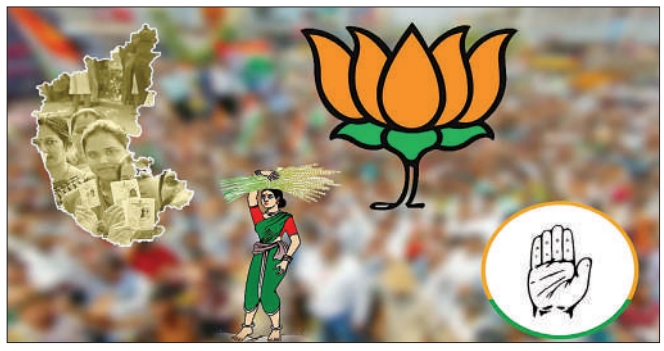

पर जनता दल सेक्युलर चुनावी मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने की ताकत रखती है। जनता दल सेक्युलर ने किसी भी राजनीतिक दल से चुनावी समझौता नहीं किया है। उनका मानना है कि चुनाव में पिछले बार की तरह किसी भी दल को पूर्ण बहुमत नहीं मिलेगा। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा को एक करोड़ 33 लाख 28 हजार 524 वोट यानी 36.35 प्रतिशत मतों के साथ 104 सीटें मिली थी। वहीं कांग्रेस को एक करोड़ 39 लाख 86 हजार 526 वोट यानी 38.14 प्रतिशत वोटों के साथ 80 सीटों पर जीत मिली थी। जनता दल सेक्युलर को 67 लाख 26 हजार 667 वोट यानी 18.30 प्रतिशत वोटों के साथ 37 सीटों पर जीत मिली थी। पिछले चुनाव में कांग्रेस 6 लाख 58 हजार दो वोट यानी 1.70 प्रतिशत अधिक मत लेकर भी भाजपा से 24 सीटों से पिछड़ गई थी। इसका मुख्य कारण था जनता दल सेकुलर का कांग्रेस के वोट बैंक में सेंध लगाना। पिछले चुनाव में कांग्रेस के पास कर्नाटक के सबसे प्रभावशाली लिंगायत समुदाय का कोई बड़ा नेता भी नहीं था। लेकिन इस बार जगदीश शेट्टार के आने से कांग्रेस को लिंगायत समुदाय के वोट बैंक में सेंध लगाने का एक बड़ा हथियार मिल गया है। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा के पास पर्याप्त बहुमत नहीं था। ऐसे में कांग्रेस और जनता दल सेक्युलर ने मिलकर जनता दल सेक्युलर के नेता एचडी कुमारस्वामी के नेतृत्व में सरकार का गठन कर लिया था। मगर 14 महीने बाद ही भाजपा ने कांग्रेस व जनता दल सेक्युलर के विधायकों से इस्तीफे दिलवा कर जोड़-तोड़ से अपनी सरकार बना ली थी। मगर येदियुरप्पा की मनमानी व उनके शासनकाल में भ्रष्टाचार को लेकर लगे आरोपों के चलते उन्हें पद छोड़ना पड़ा और जुलाई 2021 में बसवराज बोम्मई को भाजपा ने नया मुख्यमंत्री बनाया था।

हालांकि बोम्मई मुख्यमंत्री बन गए मगर सरकार पर पूरा प्रभाव पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा का ही रहा। 2019 में जोड़-तोड़ कर सरकार बनाने के बाद से ही कर्नाटक भाजपा में लगातार उथल पुथल होती रही है। चुनाव से पहले कई बड़े नेताओं के पार्टी छोड़ने से भाजपा मुश्किलों में घिरी नजर आ रही है। वहीं भाजपा सरकार पर 40 प्रतिशत तक की कमीशन खोरी के आरोप लगाकर कांग्रेस उन्हें लगातार कटघरे में खड़ा करती रही है।

मौत को हरा अन्नपूर्णा फतह कर आई बलजीत

अरुण नैथानी

सोशल मीडिया पर उनको श्रद्धांजलि देने का सिलसिला थम नहीं रहा था। उनके साथ ही लापता आयरलैंड के पर्वतारोही का शव बरामद हो चुका था। जिस इलाके में वह लापता हुई थी, उसे डेथ जोन कहा जाता है। दुनिया की खतरनाक चोटियों में शुमार नेपाल की अन्नपूर्णा चोटी पर लापता हिमाचल की पर्वतारोही बेटी को लेकर कयास लगाये जा रहे थे कि अब वह नहीं लौटेगी। वैसे एक खास ऊंचाई पर विकट हालात में इतने समय तक किसी का जीवित रह पाना संभव ही नहीं होता। बशर्ते कोई करिश्मा न हो। दरअसल, एक खास ऊंचाई के बाद बिना ऑक्सीजन के खतरनाक चोटियों पर चढ़ाई करने वाले पर्वतारोहियों के हाई ऑल्टीट्यूड सेरिब्रल एडिमा का शिकार होने का खतरा बढ़ जाता है। यह स्थिति इतनी भयावह होती है कि आपका दिमाग आपके ही विरुद्ध काम करना शुरू कर देता है। दिमाग सामान्य संवेदनशीलता भी खो देता है। फिर कल्पना की ऐसी दुनिया में ले जाता है, जो मौत की राह बन सकती है। इस स्थिति में थोड़ी देर की नींद भी पर्वतारोही को मौत के आगोश में ले जाती है। ऐसी ही कल्पना इस माह के तीसरे हफ्ते में हिमाचल की पर्वतारोही बलजीत को लेकर भी की जा रही थी।

मगर मजबूत इरादों व आत्मविश्वास से भरी बलजीत मौत को हराकर लौट आई। उसने तमाम पर्वतारोहियों व आम लोगों को संदेश दिया कि मनोबल से हारी लड़ाई भी जीती जा सकती है। लगातार अपने दिमाग के प्रतिरोध से जूझते हुए वह निरंतर खुद को बचाने के प्रयास में लगी रही। दिमाग के पूरी तरह साथ न देने के बावजूद उसने टूर पर्वतारोहण में सहयोग करने वाली कंपनी से संपर्क साधने में सफलता पाई। आखिरकार सात हजार छह सौ मीटर की ऊंचाई पर उन्हें हेलिकॉप्टर के जरिये बचा लिया गया। इस स्थान पर वह अर्द्धचेतन अवस्था में गिरते-पड़ते पहुंची। इस तरह वह डेथ जोन से बाहर निकली। दरअसल, एनसीसी के दौरान मिले सैन्य प्रशिक्षण और हिमाचल की पृष्ठभूमि ने उसे इतना मजबूत बनाया कि वह अंतिम समय तक मौत से लड़ती रही। उसके योग के ज्ञान ने भी उसे आंतरिक ताकत दी।

दरअसल, कई दुरुह पहाड़ियों पर तिरंगा फहरा चुकी जीवटता की धनी बलजीत ने इस बार अन्नपूर्णा चोटी पर बिना ऑक्सीजन के चढ़ने का मन बनाया था। लेकिन पर्वतारोहण में मदद करने वाली कंपनी ने उनके जीवन के साथ खिलवाड़ किया। चोटी पर चढ़ने में सहयोग करने वाले अनुभवी शेरपा उन्हें कंपनी ने उपलब्ध नहीं कराये। नौसिखिये और गैरजिम्मेदार शेरपाओं ने चोटी फतह करने के बाद लौटते वक्त उनकी जान जोखिम में डाल दी। उनके शरीर पर अधिक ऊंचाई पर होने वाली बीमारी का प्रभाव दिखने लगा था। दरअसल, समुद्रतल से एक खास ऊंचाई पर पहुंचने के बाद शरीर में ऑक्सीजन तीव्र गति से घटने लगती है, जिससे दिमाग पर खासा प्रतिकूल असर दिखता है। पर्वतारोहियों का खून जमने से शरीर को लकवा तक मार जाता है।

दरअसल, मौत के मुंह से बलजीत की वापसी उसके आत्मबल, एनसीसी के बाद सैन्य प्रशिक्षण, पहाड़ के परिवेश में जीवन-यापन और भयावह परिस्थितियों से साम्य बैठाने के अद्भुत गुण से संभव हो पायी। वह बिना आक्सीजन के घातक परिस्थितियों में शिखर तक की सौ मीटर की दूरी 24 घंटे में पूरी कर सकी। ऐसे हालात में जब जटिल परिस्थितियों में उसका दिमाग भी साथ नहीं दे रहा था, वह हाई ऑल्टीट्यूड सेरेब्रल एडिमा की शिकार हो रही थी। उसकी लड़ाई सिर्फ बेहद दुरुह अन्नपूर्णा चोटी की खतरनाक स्थितियों से ही नहीं थी बल्कि उसका दिमाग भी उसके विरुद्ध खड़ा हो गया था। वह दिमाग से भी लड़ रही थी। साढ़े सात हजार मीटर की ऊंचाई पर दिमाग भरमा रहा था कि वह अपने कैंप में लौट आई है। उसे कुछ समय के लिये नींद भी आई। ऐसी स्थितियों में अक्सर पर्वतारोही जान गंवा देते हैं। मगर सेना का प्रशिक्षण उसके काम आया। वह दिमाग की साजिशों से लड़ती रही। वह अपने शरीर को नीचे की ओर घसीट रही थी। वह कुछ मीटर फिसल कर गिरी भी, लेकिन सुरक्षा के लिये बांधे एंकर ने उसे खाइयों में गिरने से बचाया। फिर पर्वतारोहियों की मदद के लिये दिये गये यंत्र गार्मिन डिवाइस के मदद से उसने मददगार कंपनी से संपर्क साधा और आपातकालीन बचाव की गुहार लगायी। कंपनी के आपातकालीन फोन से संपर्क नहीं हुआ तो दूसरे नंबर पर संपर्क साधा। एक घंटे तक कोई जवाब नहीं मिला। खाने-पीने का सामान खत्म हो चुका था। लेकिन परिवार द्वारा दिये गये जीवटता के संस्कारों ने उसे मदद की। उसका दृढ़ विश्वास था कि पर्वत किसी की जान नहीं लेना चाहते हैं। हालांकि खतरनाक अन्नपूर्णा पर्वत पर पर्वतारोहियों की मृत्यु दर पच्चीस फीसदी है। वह खुद को घसीटकर उतर रही थी कि उसका संदेश मिलने के बाद बचाव के लिये हेलिकॉप्टर आए और लॉन्ग लाइन के जरिये उन्हें उठाया गया। फिर उपचार के लिये काठमांडू लाया गया।

इस तरह दो दिन दो रात अन्नपूर्णा चोटी पर बिना आक्सीजन के रहने के बाद बच पाना किसी चमत्कार से कम न था। दुनिया उन्हें मृत मान चुकी थी और सोशल मीडिया पर उन्हें श्रद्धांजलि दी जा रही थी। लेकिन उनकी मां को विश्वास था बेटी लौटेगी और आखिरकार उससे बात भी हुई। उसका उपचार करने वाले डॉक्टर भी उसके जीवित रहने को एक चमत्कार ही मान रहे थे। दुनिया की दसवीं सबसे ऊंची चोटी को फतह करके लौटी बलजीत नि:संदेह जीवटता की मिसाल है। उसे दूसरा जीवन मिला है।

बच्चों में वीकनेस होने पर होती हैं ये समस्याएं

बुखार आना

बच्चे को जल्दी जल्दी बुखार आता हो, तो उसकी इम्यूनिटी कमजोर होने के साथ ही वह शारीरिक तौर पर भी कमजोर हो सकता है।

पैरों में दर्द और चलने में दिक्कत

कई बार पोषण की कमी के कारण बच्चों के पैरों में भी कमजोरी आ जाती है। दौड़ने कूदने की उम्र में बच्चे अच्छे से चल फिर भी नहीं पाते और अक्सर पैरों में दर्द होने की शिकायत करते हैं। बच्चों को खड़े होने, दौड़ने और कूदने में मुश्किल होती है। यह कैल्शियम की कमी का संकेत भी हो सकता है।

बच्चों में ऊर्जा, उत्साह आदि होता है। स्कूल से आते ही बच्चे खेलने-कूदने में निकाल देते हैं। खेलने के बाद भी जल्दी थकान महसूस नहीं करते। बच्चों में पूरा दिन खेलने कूदने की क्षमता होती है। ऐसे में अगर आपका बच्चा खेलने कूदने में रूचि न लेकर चुपचाप बैठा रहता है और अगर खेलने जाता भी है तो जल्दी थकान महसूस करने लगता है और उदास रहता है तो हो सकता है कि बच्चा शारीरिक तौर पर स्वस्थ न हो। बच्चे कमजोरी के कारण भी इस तरह का बर्ताव करते हैं। मांसपेशियों में कमजोरी होने के कारण बच्चों को न केवल खेलने, बल्कि चलने में भी दिक्कत हो सकती है। बच्चा सुस्त रहने लगता है। कई बार तो बच्चों में वीकनेस इतनी ज्यादा बढ़ जाती है कि वह निजी काम कर पाने में भी सक्षम नहीं हो पाते।

सिरदर्द और थकान रहना

अगर बच्चा बार बार सिरदर्द होने की बात कहे या थोड़ी सी गतिविधियों के बाद ही थकान महसूस करने लगे तो इसे अंदरूनी तौर पर अस्वस्थ होने के संकेत माने जाते हैं। कई बार खेलने या किसी काम को करने के दौरान बच्चे की हृदय गति बढ़ जाती है और उसे सांस लेने में तकलीफ होने लगती है।

कमजोरी आने की वजह

बच्चे में कमजोरी आने के कई कारण हो सकते हैं। पोषण की कमी, मांसपेशियों में कमजोरी, पोलियो, एक्यूट फ्लेसिड मायलाइटिस और कई बीमारियों के कारण बच्चे में कमजोरी हो सकती है। वीकनेस होने के कारण बच्चे को काम करने में तो कठिनाई होती ही है, साथ ही बच्चे का विकास भी धीमी गति से होता है। उनकी लंबाई नहीं बढ़ती और कई कमजोर बच्चे अंडरवेट रहते हैं। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए और बच्चे की सभी जरूरी जांच करानी चाहिए।

कमजोरी से बचने के उपाय

बच्चों में कमजोरी के लक्षण दिखें तो उन्हें सबसे पहले डॉक्टर के पास ले जाएं। बच्चों को पौष्टिक आहार दें, जिस में प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम, विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर हो। बच्चे को हाइड्रेट रखने का प्रयास करें। अगर बच्चा किसी तरह की शारीरिक समस्या के बारे में बताए तो उसे बहाना समझकर नजरअंदाज न करें।

हंसना मना है

डॉक्टर- कैसे हो? शराब पीना बंद किया या नहीं? मरीज- जी डॉक्टर साहब, बिल्कुल छोड़ दिया है, बस कोई ज्यादा रिक्वेस्ट करता है तो पी लेता हूं। डॉक्टर- बहुत बढ़िया... और यह तुम्हारे साथ कौन भाई साहब हैं? मरीज- जी इनको रिक्वेस्ट करने के लिए रखा हुआ है।

डॉक्टर मरीज से- अगर तुम मेरी दवा से ठीक हो गए तो मुझे क्या इनाम दोगे? मरीज- साहब मैं तो बहुत गरीब आदमी हूं कब्र खोदता हूं...... आपकी फ्री में खोद दूंगा।

भिखारी- पहले आप 10-10 रू. देते थे अब सिर्फ 1 रू का सिक्का? संता- बाबा पहले मैं कुंवारा था अब शादीशुदा हूं। भिखारी- शर्म नहीं आती मेरे पैसों से अपने बीवी-बच्चों को पाल रहा है।

मास्टर जी- पप्पू, तुम्हारे पड़ोस के दादाजी आजकल दिखाई नहीं दे रहे हैं...? पप्पू- सर वो गुजर गए...! मास्टर जी- अरे, क्या हुआ था उन्हें...? पप्पू- वो टीवी पर योग सीखाने वाले बाबा को देखकर योगा कर रहे थे...! मास्टर जी- अच्छा, फिर...? पप्पू- बाबा ने निर्देश दिया गहरी सांस अंदर लो और जब मैं कहूं तब बाहर छोड़ना... मास्टर जी- अच्छा फिर...? पप्पू- फिर क्या अचानक लाइट चली गई और तीन घंटे बाद जब लाइट आई तब तक दादाजी चल बसे थे...!

कहानी | ब्राह्मण और सांप

एक बार की बात है किसी नगर में हरिदत्त नाम का ब्राह्मण रहता था। उसके पास खेत थे, लेकिन उनमें ज्यादा पैदावार नहीं होती थी। एक दिन हरिदत्त अपने खेत में एक पेड़ के नीचे सोया हुआ था। जैसे ही हरिदत्त की आंख खुली उसने देखा कि एक सांप अपना फन फैलाए बैठा हुआ है। ब्राह्मण को अहसास हुआ कि यह कोई साधारण सांप नहीं है, बल्कि कोई देवता है। ब्राह्मण ने निर्णय लिया कि वह आज से इस देवता की पूजा करेगा। हरिदत्त उठा और कहीं से जाकर दूध ले आया। उसने मिट्टी के बर्तन में सांप को दूध पिलाया। दूध पिलाते समय हरिदत्त ने सांप से क्षमा मांगते हुए कहा कि हे देव! मैं आज तक आपको साधारण सांप समझता रहा मुझे माफ कर दीजिए। अपनी कृपा दृष्टि से मुझे बहुत सारा धन-धान्य प्रदान करें प्रभु। ऐसा कहकर हरिदत्त अपने घर वापस आ गया। अगले दिन जब वह अपने खेत पहुंचा, तो उसने देखा कि जिस बर्तन में उसने कल सांप को दूध पिलाया था, उसमें एक सोने का सिक्का पड़ा हुआ है। हरिदत्त ने वो सिक्का उठा लिया। अब हरिदत्त रोज सांप की पूजा करने लगा और सांप रोज उसे एक सोने का सिक्का देने लगा। कुछ दिन बाद हरिदत्त को दूर किसी देश जाना पड़ा, तो उसने अपने बेटे से कहा कि तुम खेत में जाकर सांप देवता को दूध पिला आना। अपने पिता की आज्ञा से हरिदत्त का बेटा खेत में गया और सांप के बर्तन में दूध रख आया। अगली सुबह जब वह सांप को दूध पिलाने गया, तो उसने देखा कि वहां सोने का सिक्का रखा हुआ है। हरिदत्त के बेटे ने वो सोने का सिक्का उठा लिया और मन ही मन सोचने लगा कि जरूर इस सांप के बिल में सोने का भंडार है। उसने सांप के बिल को खोदने का फैसला किया, लेकिन उसे सांप का बहुत डर था। हरिदत्त के बेटे ने योजना बनाई कि जैसे ही सांप दूध पीने आएगा, तो वह उसके सिर पर लाठी से वार करेगा, जिससे सांप मर जाएगा। सांप के मरने के बाद मैं तसल्ली से बिल खोदूंगा और उसमें से सोना निकाल कर अमीर आदमी बन जाऊंगा। लड़के ने अगले दिन ऐसा ही किया, लेकिन जैसे ही उसने सांप के सिर पर लाठी मारी, तो वो मरा नहीं बल्कि गुस्से से भर उठा। सांप ने क्रोध में लड़के के पैर में अपने विष भरे दांतों से काटा और लड़के की उसी समय मौत हो गई। हरिदत्त जब वापस लौटा, तो उसे यह जानकर बहुत दु:ख हुआ।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
आज मन पर नकारात्मक सोच का प्रभाव हावी रह सकता है। अचानक धनलाभ होने से आर्थिक स्थिति में सुधार आयेगा। आपके किसी अपने को आपकी मदद की जरूरत पड़ेगी।

वृषभ
आज का दिन काफी अच्छा रहने वाला है। आप अपने परिवार पर जान छिड़केंगे और परिवार की जरूरतों को समझते हुए आज अपना सारा दिन उन्हीं के नाम कर देंगे।

मिथुन
आप घर पर ही ऑफिस के काम में बिजी रहेंगे। दिनभर के काम से आपको शाम को थकान महसूस करेंगे। अविवाहितों को विवाह के लिए अच्छा रिश्ता आयेगा।

कर्क
धन लाभ के योग बन रहे हैं। ससुराल से किसी की मुलाकात आपको प्रसन्न कर देगी। आज आपको वाहन भी सावधानी से चलाने की जरूरत है।

सिंह
आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा। आप अपने जरूरी कामों को निपटाना पसंद करेंगे, जिससे आपको मदद मिलेगी। कहीं से धन की आवक होगी।

कन्या
आपका मन प्रसन्न रहेगा। आपको किसी कानूनी मामले में कुछ खास लोगों से मदद मिल सकती है। परिवार में सबकी इच्छा पूरी करने में आप सफल होंगे।

तुला
आज आपके आत्मविश्वास में तेजी से कमी आ सकती है। विवाद को लेकर आपको सचेत रहना पड़ सकता है। धन प्राप्ति के विशेष योग हैं।

वृश्चिक
आप आज के दिन को अच्छा बनाने का पूरा प्रयास करेंगे। परिवार और काम के बीच तालमेल बिठा लेंगे, इससे दोनों ही जगह अच्छे नतीजे मिलेंगे।

धनु
अधिकारियों से खास मामलों पर फ़ोन पर बातचीत होगी। इस राशि के इलेक्ट्रॉनिक इंजीनीयर्स अपने अनुभव का प्रयोग सही दिशा में करेंगे।

मकर
आज कोई रुका हुआ पैसा वापिस मिलने में देरी हो सकती है। जल्दबाज़ी में प्रॉप्रर्टी से संबंधित कोई डील ना करें। आज आपके पहले किये गये प्रयासों का पॉजिटिव रिजल्ट मिलेगा।

कुम्भ
आप आज के दिन अपने जीवनसाथी और दांपत्य जीवन पर पूरा ध्यान देंगे। उनकी समस्याओं को सुनेंगे और आपसी बातचीत से किसी भी समस्या का समाधान निकालेंगे।

मीन
आपको धन लाभ के कई मौके मिलेंगे। परिवार के सहयोग से आपके काम समय से पुरे हो जायेंगे। आपको फिजूल की बातों में पड़ने से बचना चाहिए।

बॉलीवुड | मन की बात

जिया खान आत्महत्या मामला: सूरज पंचोली ने कहा- सच हमेशा जीतता है

जिया खान आत्महत्या मामले में विशेष सीबीआई अदालत ने सूरज पंचोली को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया है। अब इस पर अभिनेता ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा है, सच हमेशा जीतता है। इसके साथ उन्होंने दिल और हाथ जोड़ने वाली इमोजी शेयर की है। उन्होंने आगे लिखा है, गॉड इज ग्रेट। इस बीच जिया खान की मां राबिया खान ने एक इंटरव्यू में कहा है कि वह इस ऑर्डर को चुनौती देंगी और अपनी बेटी के लिए न्याय पाने तक लड़ाई जारी रखेंगी। उन्होंने कहा, मैं आशा नहीं छोड़ूंगी और लड़ाई जारी रखूंगी। उन्होंने यह भी कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो वह उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय का भी रुख कर सकती है। गौरतलब है कि शुक्रवार को विशेष सीबीआई कोर्ट ने सूरज पंचोली को जिया खान आत्महत्या मामले में बरी कर दिया है। उन्हें सबूतों के अभाव में बरी किया गया है। इस अवसर पर सूरज कोर्ट में अपनी मां के साथ उपस्थित थे। जिया खान को अपने घर पर जून 2013 में मृत पाया गया था। राबिया खान ने इसके बाद आरोप लगाया कि उनकी बेटी ने 6 पेज का सुसाइड लेटर लिखा था। सूरज को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया है। जिया के निधन के बाद उनकी मां राबिया ने सूरज पंचोली और परिवार पर बेटी के साथ गलत व्यवहार करने का आरोप लगाया था। अभिनेता को इसके बाद गिरफ्तार किया गया। उन्हें बाद में जमानत मिल गई। सूरज पंचोली की बेल पर राबिया खान मुंबई हाईकोर्ट का रुख की और उन्होंने केस सीबीआई को ट्रांसफर करने के लिए अपील की। सीबीआई ने दिसंबर 2015 में चार्जशीट फाइल की और सूरज पंचोली पर भारतीय दंड संहिता की धारा 306 के अंतर्गत आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज करके केस चलाया। अब इस मामले में उन्हें बरी कर दिया गया है।

मणिरत्नम के स्पर्श से फिर चहक उठीं ऐश्वर्या

भारतीय संस्कृति और इसके अतीत की जब भी बात होती है, हिंदी भाषी क्षेत्रों में फिल्म 'पोन्नियिन सेल्वन 2' देखने से पहले जरूरी है कि आपने फिल्म 'पोन्नियिन सेल्वन 1' देखी हो और ध्यान से देखी हो क्योंकि बिना इस होमवर्क के मणिरत्नम की फिल्म का ये दूसरा हिस्सा समझ नहीं आएगा। फिल्म 'पोन्नियिन सेल्वन 2' वहीं से शुरू होती है जहां नंदिनी ने चोल साम्राज्य को खत्म करना ही अपने जीवन का लक्ष्य बना रखा है। चोल राजा के दोनों राजकुमारों को अपने पिता के विरुद्ध हो रहे षडयंत्र को समाप्त करने का बुलावा पिछली फिल्म में ही मिल चुका है। मणिरत्नम की फिल्म 'पोन्नियिन सेल्वन' के दोनों भाग सिर्फ और सिर्फ ऐश्वर्या राय बच्चन के लिए भी देखे जा सकते हैं। अपनी पहली फिल्म 'इरुवर' से लेकर 'पोन्नियिन सेल्वन' तक ऐश्वर्या ने अपने अभिनय कौशल की जिस उड़ान का प्रदर्शन सुनहरे पर्दे पर अब तक किया है, उसमें एक पूरा अध्याय ही मणिरत्नम के नाम का है। फिल्म 'पोन्नियिन सेल्वन 2' ऐश्वर्या राय का एक नया जन्म है। मणिरत्नम से मिला अभिनय का ये पुनर्जीवन ऐश्वर्या के आने वाले वर्षों के लिए एक नए रनवे का काम भी कर सकता है। सौंदर्य को उसकी पूरी गरिमा और पूरी आभा के साथ पेश करना ऐश्वर्या राय बच्चन से उनके इस किरदार से सीखा जा सकता है और फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' की नंदिनी को भी भला कौन भूल सकता है? निष्कपट नंदिनी से कपटपूर्ण नंदिनी तक की ऐश्वर्या की ये अभिनय यात्रा भारतीय सिनेमा की एक मिसाल बन रही है।

'पीएस 2' में नंदिनी का नया शंखनाद

फिल्म 'पोन्नियिन सेल्वन 2' में हिंदी भाषी दर्शकों की पहचान के गिने चुने चेहरे हैं। फिर भी विक्रम अपने रौद्र, क्रोध और उद्वेग से अपनी पहचान छोड़ने में सफल रहते हैं। उनका संवेग उनके अभिनय को गतिमान बनाता है। जयम रवि और कार्ति के पास इस बार कुछ कर दिखाने का मैदान बचा नहीं, उनके सारे पैंतरे मणि रत्नम फिल्म के पिछले हिस्से में पहले ही दिखा चुके हैं।

आजकल जिसे जान बोलना चाहता हूं वह भाई बुला रही है : सलमान खान

सलमान खान इन दिनों किसी का भाई किसी की जान की रिलीज को लेकर सुर्खियों में हैं। वहीं हाल ही में उन्होंने फिल्मफेयर भी होस्ट किया था, जिसके चलते वह सुर्खियों में हैं। इसी बीच उन्होंने हाल ही में एंकर रजत शर्मा के शो आप की अदालत में अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर कमेंट किया है, जिसका प्रोमो सामने आया है। वहीं फैंस भी इस प्रोमो पर रिएक्शन देते हुए नजर आ रहे हैं। चैनल द्वारा शेयर किए गए प्रोमो में रजत शर्मा भाईजान से उनकी फिल्म किसी का भाई किसी की जान के ट्रेलर लॉन्च में उनके मूव ऑन कमेंट पर सवाल करते हैं, जिसके जवाब में एक्टर सलमान खान हंसते हुए कहते हैं, प्यार में बदकिस्मत, सर। इस पर एंकर पूछते हैं, तो आज कल कौन है जान और किससे हुआ है? जिनको चाहता था कि जान बनाएं वो भाई बुला रही है मुझे। तो मैं क्या करूं? इस प्रोमो पर फैंस भी कमेंट करते दिख रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, वह इस उम्र में भी इतने हैंडसम हैं। दूसरे ने लिखा, लगता है उन्होंने वक्त को पीछे कर दिया है, जिसके चलते वह आज भी उतने ही हैंडसम हैं। ऐसे ही फैंस ने एक्टर के हार्ट इमोजी शेयर की है। गौरतलब है कि सलमान खान ने करीब चार साल बाद ईद के मौके पर फिल्म रिलीज की है। वहीं फैंस की तरफ से किसी का भाई किसी की जान को ढेर सारा प्यार मिल रहा है, जिसपर फैंस प्यार प्यार लुटा रहे हैं। इसी के चलते फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ की कमाई करने के करीब पहुंच गई है। अपकमिंग फिल्म की बात करें तो वह टाइगर 3 में नजर आने वाले हैं।

बॉलीवुड | मसाला

अजब-गजब

हर ओर नजर आते हैं लकड़ी के लट्ठे,

गाड़ियों की तरह लगा दिखता है जाम!

सड़क पर निकलते ही गाड़ियों के जाम में फंसना तो आम बात है। आपने गाड़ियों के कई ट्रैफिक जाम देखे भी होंगे पर क्या आपने कभी लकड़ी के लट्ठों का जाम देखा है? इसे लॉगजाम कहते हैं और ये कनाडा के नुनावुट में मैकेंजी रिवर डेल्टा पर पाया जाता है। विशेषज्ञों ने हाल की कुछ रिसर्च की हैं जिसके बाद पता चला है कि ये लॉगजाम दुनिया में सबसे बड़ा है और टनों कार्बन का भंडार भी है। साइंस अलर्ट वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार ये लॉग जाम 51 वर्ग किलोमीटर में फैला है और पेड़ के तनों, लकड़ियों से बना है। दरअसल, मैकेंजी नदी के आसपास मौजूद जितने भी जंगल हैं, वहां से ये पेड़ बहकर नदी में आ जाते हैं और जहां-जहां नदियां मुड़ रही हैं, वहां रुकने लगते हैं। नदी की डेल्टा में भी ये जाकर इक्ट्ठा होते हैं और लॉगजाम बना लेते हैं। ये पेड़ के लट्ठे वो हैं, जो सदियों पहले सूखकर गिरे होंगे। इस जगह पर दूर-दूर तक सिर्फ लकड़ियों का ही जाम दिखाई देता है।
शोधकर्ताओं की मानें तो लकड़ी के उन लट्ठों में 34 लाख टन कार्बन जमा है जो जलवायु परिवर्तन के लिहाज से भी खतरनाक है। ये कार्बन पूल का निर्माण करता है। ये उतना ही कार्बन है, जितना 25 लाख कारें पूरे एक साल में निकालेंगी। अमेरिका के कोलोराडो स्टेट यूनिवर्सिटी में शोध करने वाली वैज्ञानिक एलिशिया सैंड्रोवस्की का कहना है कि सालों से इसपर डाटा जुटाए गए हैं कि आर्कटिक में कैसे ये लकड़ी के लट्ठे पहुंचते हैं, पर अभी तक ये जानकारी नहीं है कि कितनी लकड़ी से मिलकर ये लॉगजाम बना है और कितना कार्बन उसमें कैद है। यूनिवर्सिटी ऑफ लौसेन की वैज्ञानिक वर्जीनिया रुइज विलैनुएवा का कहना है कि पानी और तलछट से कार्बन के प्रवाह पर काफी शोध की गई है पर लॉगजाम यानी लकड़ी पर शोध ही नहीं की गई। ये रिसर्च के लिए काफी नई दिशा है जिसमें तेजी से काम हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार आर्कटिक में लकड़ी के लट्ठे लंबे वक्त तक सुरक्षित रहते हैं क्योंकि वहां तापमान बहुत कम रहता है और मौसम में नमी बहुत कम है। हजारों साल पुराना लकड़ी का लट्ठा भी वैसा ही लगेगा जैसे पिछले साल का लट्ठा लगता होगा। मैकेंजी नदी में अलग-अलग समय के ये लट्ठे आसानी मिल जाएंगे।
इस दिशा में काफी शोध की जा रही है जिससे पता लगाया गया कि एक जगह पर, जहां सबसे बड़ा लॉगजाम जमा है, उसका साइज 20 अमेरिकी फुटबॉल ग्राउंड के बराबर होगा। उसमें 7,300 टन कार्बन जमा है। वैज्ञानिकों का तो ये भी दावा है कि 34 लाख टन कार्बन का जो अंदाजा वो लगा रहे हैं, वो सिर्फ आसमान से जो लकड़ी के लट्ठे नजर आ रहे हैं, उन्हें देखकर लगाया जा रहा है। कई लट्ठे पानी के अंदर, मिट्टी में भी दबे होंगे।

खूंखार शिकारी है ये छोटी चिड़िया अपने साइज के जीवों के लिए है यमराज!

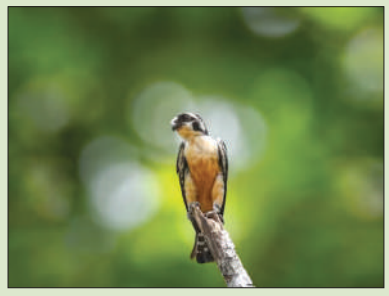

जब भी शिकारी जानवरों की बात आती है तो जहन में शेर, चीता, बाघ जैसे बड़े जीव आते हैं। कई पक्षी भी गजब के शिकारी होते हैं। जिनमें चील, गिद्ध आदि शामिल हैं। पर आपको जानकर हैरानी होगी कि प्रकृति में कई ऐसी छोटी चिड़िया भी हैं, जो अपने साइज के हिसाब से मासूम प्राणी लगेंगी पर वो इतनी खतरनाक होती हैं कि मिनटों में अपने शिकार को मौत की नींद सुलाकर उसे खा जाती हैं। ऐसी ही एक चिड़िया का नाम है ब्लैक थाइड फैल्कनेट। ऑडिटी वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार इस ब्लैक थाइड फैल्कनेट को सबसे छोटी छोटी 'बर्ड ऑफ प्रे' माना जाता है, यानी दूसरे जानवरों और पक्षियों को मारकर खाने वाली चिड़िया। साइज में ये पक्षी गौरैया जितनी छोटी होती है, पर अपने ही साइज के अन्य जीवों के लिए, जिनका ये शिकार करती है, यमराज से कम नहीं है।
अगर ये उनके पीछे पड़ गई तो उनका शिकार कर, उन्हें अपना आहार बनाकर ही मानती है। इनका साइज 14 से 16 सेंटीमीटर तक होता है। वहीं इनके एक पंख से दूसरे का साइज 27 से 32 सेंटीमीटर तक होता है। इनका वजन भी कुछ ही ग्राम होता है। ये दिखने में बेहद क्यूट लगते हैं और खूबसूरत भी होते हैं, पर इनकी खूबसूरती से, इनके शिकार करने के हुनर को कम नहीं आंका जा सकता। ये चिड़िया कई तरह के कीड़ों, जैसे, पतिंगे, तितली, दीमक, आदि को शिकार बनाती है। पर कभी-कभी ये दूसरी अन्य छोटी चिड़िया, छिपकली और छोटे साइज के चमगादड़ों को भी अपना शिकार बना लेती है। ये काफी सामाजिक चिड़िया मानी जाती है क्योंकि ये जुंड में शिकार करती है। इनके झुंड में 10 पक्षी तक हो सकते हैं। किसी ऊपरी जगह से ये अपने शिकार पर नजर रखती हैं और फिर उनके ऊपर हमला कर देती हैं। ब्लैक थाइड फैल्कनेट, ब्रुनेई, म्यांमार, थाइलैंड, मलेशिया, सिंगापुर और इंडोनेशिया जैसे देशों में पाई जाती है। ये अलग-अलग माहौल, वातावरण में आसानी से ढल जाती है।

15 साल के शासनकाल में रमन सिंह ने प्रदेश को लूटा : राजेंद्र

संघ के स्वयंसेवक ने कहा-नक्सलवाद खत्म नहीं किया, अब कभी सीएम नहीं बनोगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। संघ से जुड़े वरिष्ठ लीडर राजेंद्र प्रसाद ने नाम लिए बगैर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह के 15 साल के शासनकाल पर सवाल उठाते हुए जमकर निशाना साधा है। उनका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वायरल वीडियो को लेकर कांग्रेस ने पूर्ववर्ती रमन सरकार पर तंज कसा है। राजेंद्र प्रसाद वीडियो में कहते हैं कि एक पूर्व मुख्यमंत्री से मेरी भेंट हो रही थी। मैंने कहा 15 साल शासन किए। केंद्रीय रिजर्व पुलिस की सेना थी।

पर्याप्त राशि मिलने के बाद भी तुम लोग लूटकर खा गए और नक्सलवाद समाप्त नहीं कर सके। अभी सर हिला रहे हो कि मुझे मुख्यमंत्री बनना चाहिए। अब मुख्यमंत्री नहीं बनोगे। चिंता मत करो। हमें छत्तीसगढ़ को हिंदू प्रदेश के रूप में स्थापित करना है। यहां के लोगों को अपमानित करने वाले लोगों को हमें, समुद्र का रास्ता दिखाना है। समुद्र का रास्ता मतलब जो समुद्र में डूबते हैं बचते नहीं हैं। समुद्र खींचता है और किनारे ले जाकर वापस खींच लेता है और मार देता है। पटक पटक कर मार देता है। हम अपने प्रदेश को अच्छा बनाएंगे। हम जागरण करेंगे। उन्होंने ये बातें राम मंदिर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कही।

धर्म जागरण के अखिल भारतीय सह प्रमुख हैं राजेन्द्र

राजेंद्र प्रसाद संघ से जुड़ी संस्था धर्म जागरण के अखिल भारतीय सह प्रमुख हैं। वह रायपुर के राम मंदिर परिसर में निवास करते हैं। यहां बच्चों के लिए आश्रम का संचालन करते हैं। वे प्रदेश में हिंदू धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए काम कर रहे हैं।

कोई फंड स्टेट को नहीं आता : रमन सिंह

वायरल वीडियो पर रमन सिंह अपनी बातें रखते हुए कहा कि सेना का फंड यहां नहीं होता। शायद उनको यह भी जानकारी नहीं है। कोई फंड स्टेट को नहीं आता। आरपीएफ और पैरामिलिट्री फोर्स डायरेक्ट तैनात होती है। सरकार के पास फंड नहीं होता है बल्कि उनके लिए एडवांस चौकी और कैम्प बनाना पड़ता है। मदद करनी होती है। राज्य के पास सेंट्रल फंड का कोई हिस्सा नहीं आता है।

तत्कालीन सरकार ने केवल भ्रष्टाचार किया : कांग्रेस

राजेंद्र प्रसाद के इस वीडियो पर कांग्रेस ने चुटकी ली है। छत्तीसगढ़ कांग्रेस के संचार विभाग के प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि इस वीडियो से स्पष्ट हो जाता है कि रमन ने नक्सलवाद को खत्म करने के लिए कोई ठोक कदम नहीं उठाया। सिर्फ भ्रष्टाचार किया। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के बढ़ावे के लिए पिछले 15 साल में भारतीय जनता पार्टी की सरकार जिम्मेदार है। आरएसएस से जुड़े नेता का वीडियो इस बात की ओर इशारा कर रहा है कि बीजेपी ने नक्सलियों के नियंत्रण के लिए कभी भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

बीजेपी का चाल और चरित्र सामने आया : भूपेश बघेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर । कर्नाटक में बीजेपी विधायक की ओर से कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को विष कन्या कहने पर सीएम भूपेश बघेल ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ये सब बीजेपी नेताओं के कहने पर किया गया है। इससे बीजेपी का चाल, चरित्र, चेहरा सामने आ गया है। उन्होंने कहा कि ये हर बार सोनिया गांधी को टारगेट करते हैं।

बीजेपी के राष्ट्रीय नेता उनके बारे में कितने बार अनर्गल बातें करते हैं और अब जाकर बीजेपी नेता विष कन्या कह रहे हैं। ये घोर निंदनीय है। ये बीजेपी नेताओं के कहने पर किया गया है। अब इस मामले में नरेंद्र मोदी और अमित शाह क्या कहते हैं। ये पूरे देश की जनता जानना चाहती है। इस मामले में एफआईआर कराने के सवाल पर कहा कि इसे पर पार्टी के कार्यकर्ता देखेंगे। एफआईआर क्यों नहीं कराएंगे।

» सोनिया गांधी पर अभद्र टिप्पणी पर जवाब दें मोदी

दूसरे लोग बोलें तो तकलीफ होती है

उन्होंने कहा कि क्या बीजेपी को दूसरे के बारे में बोलने का अधिकार है? दूसरे लोग बोले तो बीजेपी को तकलीफ होती है। कल खड़गे के बयान को लेकर बीजेपी ने पूरे देशभर में हंगामा किया। उन्होंने कहा कि ये जहरीले सांप जैसा है। इसके बाद उन्होंने बड़कप्पन दिखाते हुए बयान को वापस ले लिया।

जातिगत गणना की सुनवाई तीन दिन में पूरी करें : सुप्रीम कोर्ट

» जस्टिस ने पटना हाईकोर्ट को दिया आदेश, फैसला दें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। जातिगत गणना को लेकर नीतीश सरकार को झटका लग सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने पटना हाईकोर्ट को इस मामले में 3 दिन के अंदर सुनवाई कर आदेश पारित करने के लिए कहा है। शुक्रवार को सुप्रीम जस्टिस एमआर शाह और जस्टिस नरसिम्हा ने 15 मिनट तक इस मामले को सुना।

कोर्ट में याचिकाकर्ता ने यह तर्क दिया कि अगर जल्द सुनवाई नहीं हुई तो याचिकाएं निष्फल हो सकती हैं। इस पर कोर्ट ने कहा कि वर्तमान एसएलपी पर विचार नहीं करते हुए, हम याचिकाकर्ताओं को अंतरिम राहत पर जल्द सुनवाई के लिए आवेदन करने की अनुमति देते हैं। कोर्ट ने पटना हाईकोर्ट को निर्देश दिया है कि आवेदन दाखिल करने के 3 दिनों के भीतर अधिमानत: निर्णय लिया जाना चाहिए। कोर्ट का मानना है कि हमने गुण-दोष के आधार पर कुछ नहीं कहा है और इस पर फैसला उच्च न्यायालय को करना है।

जस्टिस ने पटना हाईकोर्ट को 3 वर्किंग डे के अंदर सुनवाई का आदेश दिया है। अब पटना हाईकोर्ट में एक मई को अगली सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट ने पटना हाईकोर्ट को निर्देश दिया कि वह इस मामले में एक मई तक अंतिम सुनवाई कर अपना फैसला सुनाए। हालांकि, इसके हाईकोर्ट के फैसले से संतुष्ट नहीं होने पर याचिकाकर्ताओं ने कहा कि याचिकाकर्ता सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने के लिए स्वतंत्र हैं।

एक सप्ताह तक रहेगा सुहावना मौसम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बारिश की वजह से पिछले कई दिनों से दिल्ली-एनसीआर का मौसम काफी सुहाना है। आज सुबह से ही एनसीआर में मौसम का रुख बदला-बदला सा है। यहां काले बादलों ने आसमां में डेरा डाल रखा है। इससे मौसम बारिश जैसा हो गया है। शनिवार को बादल छाए रहने व हल्की बारिश की संभावना है। इस दौरान तापमान 35 और 23 डिग्री रहेगा, जबकि रविवार से तापमान में गिरावट दर्ज होगी। तापमान 32-33 डिग्री के बीच रहेगा।

32-33 डिग्री के बीच रहेगा तापमान

मौसम विभाग के मुताबिक, पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के कारण गुरुवार को हुई हल्की बारिश व तेज हवा का दौर अभी एक सप्ताह तक जारी रहेगा। पूर्वानुमान है कि मई के चार दिन भी सुहावने मौसम के साथ ही बीतेंगे। लोगों को चार मई तक गर्मी से राहत रहेगी। सुहावने मौसम के कारण अभी अधिकतम तापमान व न्यूनतम तापमान भी सामान्य से नीचे चल रहा है। गुरुवार शाम को आई आंधी व बारिश ने मौसम को सुहावना बना दिया। शुक्रवार दोपहर बाद ही हल्की धूप निकली, उसके बाद फिर से बादल घिर आए। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में अभी चार मई तक मौसम सुहावना बना रहेगा। इस दौरान तेज हवा के साथ-साथ कहीं बूंदाबांदी तो कहीं बारिश की उम्मीद है। इस कारण लू और झुलसाती गर्मी से भी राहत मिलेगी। शुक्रवार को अधिकतम तापमान सामान्य से चार डिग्री कम 34.9 व न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम 22.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

पहाड़ों पर बर्फबारी

जम्मू। कश्मीर संभाग के गुलमर्ग, सोनमर्ग समेत जम्मू संभाग के पुंछ व राजोरी जिलों के ऊंचे पर्वतीय क्षेत्रों में शुक्रवार को बर्फबारी हुई। कई जिलों में बारिश का सिलसिला भी जारी रहा। इससे एक बार फिर ठंडक का अहसास हुआ है। उधर, खराब मौसम के चलते कश्मीर के बारामुला जिले में पर्स्सी गिरने से बाबा रशीद मार्ग बाधित रहा। मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर के अनुसार दो मई को जम्मू व कश्मीर संभाग के अधिकतर क्षेत्रों में सामान्य से भारी बारिश के आसार हैं। बारिश और बर्फबारी के चलते प्रदेश में कई जिलों में अधिकतम तापमान सामान्य से 12 डिग्री तक लुढ़क गया है।

लखनऊ ने दिखाया दम, किंग्स हुए बेदम

» पांच विकेट गंवाकर 257 रन बनाए, पंजाब को 56 रनों से हराया

» यश ने चार और नवीन ने तीन विकेट झटके

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मोहाली। आईपीएल 2023 के 38वें मुकाबले में लखनऊ सुपर जाएंट्स ने पंजाब किंग्स को 56 रनों से हरा दिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ ने 20 ओवर में पांच विकेट गंवाकर 257 रन बनाए। मार्कस स्टोइनिस ने 40 गेंदों में 72 रन और काइल मेयर्स ने 24 गेंदों में 54 रन की पारी खेली। जवाब में पंजाब किंग्स की टीम 19.5 ओवर में 201 रन पर सिमट गई।

अथर्व तायदे ने 36 गेंदों में 66 रन की पारी खेली। इसके बाद कोई बल्लेबाज 40+ स्कोर नहीं बना सका। यश ठाकुर ने चार और नवीन उल हक ने तीन विकेट लिए। लखनऊ ने पंजाब के सामने 258 रन का विशाल लक्ष्य रखा है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ ने 20 ओवर में पांच विकेट गंवाकर 257 रन बनाए।

आईपीएल इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर

यह आईपीएल इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा टोटल है। वहीं, आईपीएल इतिहास में सिर्फ दूसरी बार 250+ का स्कोर बना है। आईपीएल में सबसे बड़े स्कोर का रिकॉर्ड रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के नाम है। उसने 2013 में बेंगलुरु में पुणे वॉरियर्स के खिलाफ 20 ओवर में पांच विकेट गंवाकर 263 रन बनाए थे। तीसरा हाईएस्ट टोटल भी बैंगलोर के नाम है। उसने 2016 में गुजरात लायंस के खिलाफ बेंगलुरु में ही 20 ओवर में तीन विकेट गंवाकर 248 रन बनाए थे। वहीं यह लखनऊ का सबसे बड़ा टोटल भी है। मोहाली में भी यह आईपीएल का सबसे बड़ा स्कोर है। इससे पहले चेन्नई सुपर किंग्स 2008 में पंजाब के खिलाफ मोहाली में 20 ओवर में पांच विकेट गंवाकर 240 रन बनाए थे। यह इस सीजन का भी सबसे बड़ा स्कोर है। इससे पहले चेन्नई सुपर किंग्स ने इसी सीजन ईडन गार्डन्स में कोलकाता के खिलाफ 20 ओवर में चार विकेट गंवाकर 235 रन बनाए थे।

Contact for
Grills, Railing, Gate, Tin Shade,
Stairs and other fabrication

V K FABRICATOR
5/603 Vikas Khand, Gomti Nagar Lucknow -226010
Mob : 9918721708

मंत्री शाही के खिलाफ सांसद रमापति ने खोला मोर्चा

» संसद के विशेषाधिकार समिति पहुंचे पूर्व अध्यक्ष, सड़क एस्टीमेट पर सांसद की जगह लिखा कृषिमंत्री का नाम, उठाई आपत्ति, प्रदेश सरकार ने रिपोर्ट मांगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा सांसद डॉ. रमापति राम त्रिपाठी और कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही की सियासत सड़क पर आ टिकी है। देवरिया लोकसभा क्षेत्र की सड़कों के एस्टीमेट में सांसद के तौर पर डॉ. रमापति के बजाय शाही का नाम लिख दिया गया है। इसे डॉ. रमापति ने संसद का अपमान बताते हुए मामला संसदीय विशेषाधिकार समिति के सामने उठा दिया। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ने प्रदेश सरकार से तथ्यात्मक रिपोर्ट भेजने को कहा है।

डॉ. रमापति देवरिया से लोकसभा सदस्य हैं, वहीं सूर्य प्रताप शाही भी इसी लोकसभा क्षेत्र के विधानसभा क्षेत्र पथरदेवा से विधायक हैं। दोनों ही भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भी रहे हैं। हाल ही में प्रकाश में आया कि इस मामले में सांसद ने संसदीय विशेषाधिकार समिति के सामने अपनी पीड़ा रखी है। उन्होंने कहा है कि वित्त वर्ष 2022-23 में राज्य सड़क निधि के तहत उनके संसदीय क्षेत्र में नव निर्माण के एस्टीमेट शासन को भेजे गए। ये सड़कें विधानसभा क्षेत्र फाजिलनगर और लोकसभा क्षेत्र देवरिया के अंतर्गत आती हैं।

एस्टीमेट में विधायक के कॉलम में सुरेंद्र कुमार कुशवाहा का नाम लिखा है, लेकिन सांसद के कॉलम में उनका नाम (डॉ. त्रिपाठी) न लिखकर सूर्य प्रताप शाही का नाम लिखा है। पत्र में डॉ. त्रिपाठी लिखते हैं-देवरिया लोकसभा क्षेत्र से मैं निर्वाचित हूं और इस मामले में सार्वजनिक रूप से संसद और मेरा अपमान किया गया है। इतना ही नहीं डॉ. त्रिपाठी ने लिखा है कि इस संबंध में जब उन्होंने पीडब्ल्यूडी के मुख्य अभियंता संजय कुमार श्रीवास्तव से फोन पर संपर्क करना चाहा तो उन्होंने फोन भी नहीं उठाया। उन्होंने विशेषाधिकार समिति से मुख्य अभियंता संजय के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। लोकसभा सचिवालय ने मुख्य सचिव को पत्र भेजकर तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है। साथ ही इसे अति आवश्यक बताते हुए 15 दिन के भीतर लोकसभा अध्यक्ष के सामने प्रस्तुत करने की बात भी कही है।

मुझे कांग्रेस वालों ने 91 बार गालियां दी : पीएम मोदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलुरू। भाजपा के वरिष्ठ नेता व पीएम नरेन्द्र मोदी ने कर्नाटक के बीदर जिले के हुमनाबाद से चुनावी सभा की शुरुआत की। प्रधानमंत्री ने कहा मुझे कांग्रेस के लोगों ने 91 बार गालियां दीं। गालियों के शब्दकोष में टाइम खराब करने के बजाय अगर कांग्रेस ने इतनी मेहनत गुड गवर्नेंस में की होती तो इनकी इतनी दयनीय स्थिति नहीं होती।

प्रधानमंत्री ने 2014 का वाकया याद करते हुए कहा- ये मेरा सौभाग्य है कि इस विधानसभा चुनाव में मेरी शुरुआत बीदर से हो रही है। बीदर का आशीर्वाद मुझे तब भी मिला था जब मैं प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बना था। आज इतनी बड़ी संख्या में यहां आ कर आपने पूरे देश को संदेश दे दिया है कि- इस बार, भाजपा सरकार। यह चुनाव कर्नाटक को देश में नंबर-1 राज्य बनाने का चुनाव है। मोदी ने कहा- कर्नाटक को देश का नंबर-1 राज्य बनाने के लिए यहां डबल इंजन सरकार का होना बेहद जरूरी है। कांग्रेस की सरकार में हर साल 30 हजार करोड़ रुपए के आसपास विदेशी निवेश कर्नाटक में आता था, जबकि BJP की सरकार में अब हर साल करीब 90 हजार करोड़ रुपए का विदेशी निवेश कर्नाटक में आ रहा है।

अतीक-अशरफ हत्याकांड

आरोपियों के मोबाइल से मिलेंगे राज, मिली सीडीआर

» दो शूटरों लवलेश और अरुण के कॉल डिटेल सामने आई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। अतीक-अशरफ हत्याकांड की विवेचना में जुटा विशेष जांच दल (एसआईटी) को शूटरों के चार मोबाइल नंबर का पता चला है। वहीं इन आरोपियों को14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। इनमें लवलेश तिवारी व अरुण मौर्य का मोबाइल नंबर शामिल है। इन नंबरों की कॉल डिटेल रिपोर्ट भी मिल गई है और अब अफसर इसके जरिए साजिश का भंडाफोड़ करने में जुटे हैं।

पुलिस सीडीआर के जरिए पता लगाने में जुटी है कि वारदात से पहले शूटरों ने किससे कितनी बार बात की। कौन से ऐसे नंबर हैं, जिनसे शूटर लगातार संपर्क में रहे। यह भी देखा जा रहा है कि शूटरों ने किसे फोन किया और उनके पास किसकी कॉल आई। सीडीआर के विश्लेषण से ही इन सवालों का जवाब मिलेगा। सूत्रों का कहना है कि इसके बाद ही पता चला कि हत्याकांड के पीछे कोई साजिश है या नहीं। दरअसल हत्याकांड को 13 दिन बीतने के बाद भी एसआईटी अब तक हत्या की मूल वजह का पता नहीं लगा पाई है। विवेचना के क्रम में उसके पास अब तक शूटरों का बयान ही है, जिसमें उन्होंने खुद से ही वारदात अंजाम देने की बात कही है।

विवेचना के क्रम में एसआईटी अब तमाम उन लोगों के बयान दर्ज करने में जुटी है, जो केस से संबंधित हैं। इसके तहत ही 24 अन्य लोगों को नोटिस जारी किया गया है। इनमें पुलिसकर्मियों के साथ ही मीडियाकर्मी, पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर व अन्य लोग शामिल हैं। गौरतलब है कि वारदात के वक्त मौके पर मौजूद कुछ पुलिसकर्मियों के बयान पहले ही दर्ज किए जा चुके हैं।

राजनीतिक दल से जुड़ा है बमबाज

उमेश पाल की हत्या के आरोपी और माफिया अतीक अहमद का करीबी शूटर गुड्डू मुस्लिम अभी तक पुलिस की गिरफ्त से दूर है। गुड्डू मुस्लिम को लेकर रोजाना नए-नए खुलासे हो रहे हैं। माफिया अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता भी अभी तक पुलिस के हाथ नहीं आई है। दोनों की तलाश में पुलिस की टीमें खाक छान रही हैं, लेकिन अभी तक पकड़ नहीं पाई है। माफिया अतीक अहमद गिरोह के सबसे खतरनाक शूटर गुड्डू मुस्लिम के करीबी आशिक उर्फ मल्ली की एसटीएफ सरगर्मी से तलाश कर रही है। गुड्डू के फरार होने के बाद मल्ली भी प्रयागराज से गायब हो चुका है। वहीं, गुड्डू के आर्थिक मददगार नैनी निवासी मुकेश श्रीवास्तव की भी तलाश की जा रही है।

सऊदी अरब में रहते हैं गुड्डू के तीन रिश्तेदार

जांच में सामने आया है कि गुड्डू मुस्लिम के तीन रिश्तेदार सऊदी अरब में रहते हैं। इनमें गुड्डू का भाई मोहम्मद असलम, भांजी साहिबा और भांजा ताबिश शामिल है। वहीं, गुड्डू के आर्थिक मददगारों में मुकेश श्रीवास्तव के अलावा कटरा निवासी अशरफ उर्फ अख्तर का नाम भी शामिल है। पुलिस रिकॉर्ड में गुड्डू मुस्लिम को एक बड़े राजनीतिक दल से जुड़ा बताया गया है।

बायजू के ठिकानों पर ईडी का छापा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। प्रवर्तन निदेशालय ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के प्रावधानों के तहत रवींद्रन बायजू और उनकी कंपनी थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड के मामले में बेंगलुरु में तीन परिसरों (2 व्यावसायिक और 1 आवासीय) में तलाशी और जब्ती की कार्रवाई की है। कंपनी बायजूज के नाम से पॉपुलर ऑनलाइन एजुकेशन पोर्टल चलाती है।

तलाशी और जब्ती कार्रवाई के दौरान विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल डेटा जब्त किया गया है। फेमा की तलाशी से यह भी पता चला है कि कंपनी को 2011 से 2023 की अवधि के दौरान करीब 28000 करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्राप्त हुआ है। इसके अलावा, कंपनी ने विदेशों को 9754 करोड़ रुपये भेजे हैं. विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के नाम पर इसी अवधि के दौरान अधिकार क्षेत्र कंपनी ने विज्ञापन और विपणन व्यय के नाम पर लगभग 944 करोड़ रुपये बुक किए हैं, जिसमें विदेशी अधिकार क्षेत्र में भेजी गई राशि भी शामिल है, कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2020-21 से अपने वित्तीय विवरण तैयार नहीं किए हैं और खातों का ऑडिट नहीं कराया है जो अनिवार्य है। कंपनी द्वारा प्रदान किए गए आंकड़ों की वास्तविकता की बैंकों से जांच की जा रही है। विभिन्न निजी व्यक्तियों से प्राप्त शिकायतों के आधार पर मंच के खिलाफ जांच शुरू की गई थी। ईडी द्वारा की गई जांच के दौरान, संस्थापक और सीईओ रवींद्रन बायजू को कई समन जारी किए गए।

केजरीवाल के बंगला विवाद में एलजी भी कूदे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उपराज्यपाल ने मुख्य सचिव से 15 दिनों में मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास के रेनोवेशन में हुई कथित अनियमितताओं से जुड़ी मीडियो रिपोर्ट्स का संज्ञान लेते हुए मुख्य सचिव से 15 दिनों में रिपोर्ट मांगी है।

दिल्ली एलजी ने मुख्यमंत्री के आवास के नवीनीकरण के दौरान की गई कथित घोर अनियमितताओं से जुड़ी मीडिया रिपोर्ट्स का संज्ञान लेकर मामले की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए, मुख्य सचिव को मामले से संबंधित सभी रिकॉर्ड को तुरंत सुरक्षित करने और सुरक्षात्मक हिरासत में लेने का निर्देश दिया। इसके बाद अभिलेखों की जांच के बाद 15 दिनों के भीतर मामले की तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।